RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

दैनिक क्रांति समय

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480

E-mail: krantisamay@gmail.com

सूरत, वर्षः 02 अंकः 133, शनिवार, 08 जून, 2019, पेजः 4, मुल्य 1 रु.

रजीस्ट्रड ऑफिसः- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात

Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दिल्ली-NCR में वायु की खराब गुणवत्ता वाले दिनों की संख्या में कमी आईः जावडेकर

नयी दिल्ली। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री प्रकाश जावडेकर ने गुरुवार को कहा कि दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में वायु की गुणवत्ता में सुधार हुआ है। इस क्षेत्र में 'खराब' वायु गुणवत्ता वाले दिनों की संख्या 2014 में 300 थी, जो 2018 में घटकर 206 हो गई। विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि स्थिति 'उतनी बुरी नहीं' है, जितना मीडिया पेश कर रहा है। जावडेकर ने कहा, ''मीडिया में आने वाली खबरों में हमेशा ऐसी तस्वीर पैदा की जा रही है कि वायु प्रदूषण की वजह से लाखों लोगों की मौत हो रही है, लेकिन स्थिति उतनी खराब नहीं है। हां, प्रदूषण है, लेकिन प्रयास किये जा रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''खराब वायु गुणवत्ता वाले दिनों की संख्या 2016 में 246 थी, 2014 में यह 300 के करीब थी, 2017 में यह 213 पर आ गई जबकि 2018 में यह घटकर 206पर आ गई। मुझे भरोसा है कि जब 2019 के आंकड़े आएंगे तो खराब वायु गुणवत्ता वाले दिनों की संख्या और घटेगी। यह जबर्दस्त सफलता है। खराब वायु गुणवत्ता वाले दिनों की संख्या घटी है। यह उल्लेखनीय सुधार है।'' खराब वायु गुणवत्ता वाले दिनों में 2014 की तुलना में 2018 में 33 फीसदी तक की गिरावट आई है। उन्होंने यह भी कहा कि 'मध्यम' से 'अच्छी' वायु गुणवत्ता वाले दिनों की संख्या 2016 में 108 थी जो 2018 में बढ़कर 159 हो गई। अच्छी वायु गुणवत्ता वाले दिनों की संख्या में वृद्धि दिल्ली-एनसीआर के लिये पिछले चार साल में किये गए ठोस प्रयासों का नतीजा है। लोगों से भागीदारी का आह्वान करते हुए मंत्री ने कहा कि सिर्फ मास्क पहनने से काम नहीं चलेगा। हर व्यक्ति को पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी से काम करना होगा।

पीएम मोदी जाएंगे केरल दौरे पर

गुरुवायुर के श्री कृष्ण मंदिर और वेंकेटेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगे

पीएम मोदी शनिवार को गुरुवायुर के श्री कृष्ण मंदिर में

रविवार को तिरुमला के वेंकेटेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगे

तिरुपति।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिवसीय केरल दौरे पर रवाना होंगे, जहां वे गुरुवायुर के श्री कृष्ण मंदिर और आंध्र प्रदेश में तिरुमला के भगवान वेंकेटेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दूसरी बार सत्ता संभालने के बाद पहली बार इन दोनों दक्षिणी राज्यों के दौरे पर जा रहे हैं। पीएम मोदी शनिवार को गुरुवायुर के श्री कृष्ण मंदिर में और रविवार को तिरुमला के वेंकेटेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगे। कोच्चि में एक आधिकारिक विज्ञप्ति में बताया गया है कि प्रधानमंत्री शुक्रवार को यहां रात 11 बजकर 35 मिनट पर पहुंचेंगे और रात भर सरकारी गेस्ट हाउस में रूकेंगे। वह शनिवार की सुबह श्री कृष्ण मंदिर में पूजा करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तिरुमला के प्रसिद्ध भगवान वेंकेटेश्वर मंदिर में नौ जून को पूजा-अर्चना करेंगे। मंदिर के एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि इस सप्ताहांत मालदीव और श्रीलंका का दौरा करने के बाद प्रधानमंत्री रविवार की शाम कोलंबो से तिरुपति के निकट रेनीगुंटा हवाईअड्डे पर पहुंचेंगे। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मंदिर में पूजा-अर्चना करने के बाद तत्काल दिल्ली रवाना हो जाएंगे। प्रधानमंत्री मोदी की इस यात्रा के लिए हवाईअड्डा, मंदिर के तरफ जाने वाले रास्ते और मंदिर में सुरक्षा व्यवस्था की जा रही है। अधिकारी ने बताया कि आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाई एस जगनमोहन रेड्डी और राज्यपाल ईएसएल नरसिम्हन प्रधानमंत्री के साथ मंदिर पहुंच सकते हैं। दूसरी बार प्रधानमंत्री बनने के बाद मोदी पहली बार इस मंदिर में पूजा-अर्चना के लिए आएंगे।

सुरक्षाबलों को मिली बड़ी कामयाबी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले में सुरक्षा बलों के साथ एक मुठभेड़ में शुक्रवार को चार आतंकवादी मारे गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि दक्षिण कश्मीर के पंजरान में आतंकवादी मारे गए। उन्होंने बताया कि बृहस्पतिवार शाम को शुरू हुआ अभियान समाप्त हो गया है। अधिकारी ने बताया कि आतंकवादी कथित तौर पर जैश-ए-मोहम्मद संगठन से संबद्ध थे। आतंकवादियों की उपस्थिति के बारे में सूचना मिलने के बाद बृहस्पतिवार को सुरक्षा बलों ने पुलवामा के पंजरान इलाके की घेराबंदी की और तलाश अभियान शुरू किया।

अटल जी का आवास 6-ए कृष्ण मेनन मार्ग अब अमित शाह का होगा नया पता!

नई दिल्ली।

नवनियुक्त केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का कृष्णमेनन मार्ग स्थित बंगला आवंटित किया जा सकता है। वाजपेयी 2004 में प्रधानमंत्री के पद से हटने के बाद इसमें रह रहे थे। पिछले साल अगस्त में वाजपेयी के निधन के बाद उनके परिजनों ने नवंबर में इस बंगले को खाली कर दिया था। सरकार के सूत्रों ने बृहस्पतिवार को इसकी पुष्टि करते हुये बताया कि बतौर गृह मंत्री, शाह की सुरक्षा जरूरतों के मुताबिक इस बंगले को अगले एक महीने में तैयार कर दिया जायेगा। सत्रहवीं लोकसभा के गठन के बाद बतौर केंद्रीय मंत्री, शाह को यह बंगला आवंटित किया गया है। केन्द्रीय मंत्रियों को आवंटित होने वाले 'टाइट 8' श्रेणी के इस बंगले में फिलहाल जरूरी मरम्मत का काम चल रहा है। नवगठित लोकसभा में अमित शाह, गांधीनगर लोकसभा क्षेत्र से बतौर सांसद भी निर्वाचित हुये हैं। बंगले पर तैनात कर्मचारियों ने बताया कि शाह स्वयं बंगले का मुआयना कर जरूरत के मुताबिक मरम्मत आदि के काम का जायजा ले चुके हैं। शाह, फिलहाल राज्यसभा सदस्य के रूप में, अकबर रोड स्थित 11 नंबर बंगले में रह रहे हैं। वह 19 अगस्त 2017 में राज्यसभा सदस्य बने थे। उच्च सदन में उनका कार्यकाल 2023 तक निर्धारित था। लेकिन हाल ही में हुये लोकसभा चुनाव में जीतने और मोदी सरकार में गृह मंत्री बनाये गये शाह को नया बंगला आवंटित किया गया है। उन्होंने राज्यसभा से इस्तीफा दे दिया है। बतौर पूर्व प्रधानमंत्री वाजपेयी, 14 साल तक इस बंगले में रहे। पिछले साल 16 अगस्त को उनके निधन के बाद, तत्कालीन मोदी सरकार ने इस बंगले को 'अटल स्मृति' के रूप में घोषित करने के कुछ भाजपा नेताओं के विचार को खारिज कर दिया था। सरकार ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की समाधि, 'राजघाट' के पास वाजपेयी के समाधि स्थल को उनकी स्मृति में 'सदैव अटल' के नाम से विकसित किया है। उल्लेखनीय है कि 2000 में तत्कालीन वाजपेयी सरकार ने ही राष्ट्रीय नेताओं के सरकारी आवास को उनके निधन के बाद स्मृति स्थल के रूप में घोषित करने पर रोक लगाने का फैसला किया था। इस फैसले को बरकरार रखते हुये मोदी सरकार ने अक्टूबर 2014 में पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के 12, तुगलक रोड, स्थित बंगले को स्मृति स्थल घोषित करने की रालोद अध्यक्ष अजीत सिंह की मांग को खारिज कर दिया था।

जयशंकर पहली विदेश यात्रा पर जाएंगे भूटान, दो दिनों का होगा दौरा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी पहली विदेश यात्रा के लिए पड़ोस प्रथम की नीति के तहत मालदीव को चुना है तो विदेश मंत्री एस जयशंकर शुक्रवार को अपनी पहली विदेश यात्रा पर भूटान जाएंगे। उनका दौरा दो दिनों का होगा। चीन की इस इलाके में रुचि को देखते हुए जयशंकर का दौरा काफी अहम माना जा रहा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रवीश कुमार ने बताया कि यात्रा के दौरान जयशंकर भूटान के प्रधानमंत्री लोटेय शेरिंग से मुलाकात करेंगे। भूटान के नरेश जिग्मे खेशर नामग्याल वांगचुक से भी उनकी बातचीत होगी। वह भूटान के अपने समकक्ष टांडी दोरजी से भी मिलेंगे। प्रवक्ता ने कहा, विदेश मंत्री के तौर पर जयशंकर का विदेश का यह पहला दौरा होगा। उनकी यात्रा इस परंपरा के अनुरूप है कि भारत अपने करीबी मित्र एवं पड़ोसी भूटान के साथ द्विपक्षीय संबंध को महत्व देता है। भूटान, भारत का करीबी सहयोगी है और पिछले कुछ वर्षों में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंध नई ऊंचाइयों पर पहुंचा है। कुमार ने कहा, भारत और भूटान के अनूठे और सदाबहार संबंध हैं। यह आपसी भरोसे, सद्भावना और आपसी समझ पर आधारित है। उन्होंने कहा कि इस दौरान, दोनों देशों के बीच आगामी उच्च स्तरीय आदान-प्रदान, आर्थिक विकास और पनबिजली सहयोग सहित द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा होगी। जयशंकर ने कहा, विदेशों में भारतीयों की मदद करने के लिए सुषमा स्वराज के सोशल मीडिया अभियान को जारी रखेंगे। परेशानी में फंसे भारतीयों पर अत्याधिक जोर दिया जाएगा और अब वे सरकार के उन तक पहुंचने की उम्मीद कर सकते हैं। जयशंकर ने गुरुवार को कहा, भारत के अधिकतर लोग मानते हैं कि पिछले पांच साल में दुनियाभर में देश का कद बढ़ा है। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार को लगातार दूसरी बार मिली जीत में इसकी भूमिका अहम रही। जयशंकर ने कहा कि विश्व में नया संतुलन स्थापित हो रहा है।

विभाग बदले जाने पर सिद्धू बोले, मुझे हल्के में नहीं लिया जा सकता

चंडीगढ़।

सिंह और सिद्धू के बीच चल रहे टकराव के बीच तेजी से बदले घटनाक्रम में सिद्धू ने मंत्रिमंडल की बैठक में भाग नहीं लिया और आरोप लगाया कि उन्हें निशाना बनाया जा रहा है। सिद्धू ने संवाददाताओं से कहा, ''मुझे हल्के में नहीं लिया जा सकता।

पंजाब में मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह द्वारा नवजोत सिंह सिद्धू का विभाग बदले जाने के साथ बृहस्पतिवार को राज्य में पार्टी के भीतर दरार और गहरी हो गई। साथ ही, सिद्धू मंत्रिमंडल की बैठक में भी शामिल नहीं हुए। सिंह और सिद्धू के बीच चल रहे टकराव के बीच तेजी से बदले घटनाक्रम में सिद्धू ने मंत्रिमंडल की बैठक में भाग नहीं लिया और आरोप लगाया कि उन्हें निशाना बनाया जा रहा है। सिद्धू ने संवाददाताओं से कहा,''मुझे हल्के में नहीं लिया जा सकता। ''मेरे विभाग पर सार्वजनिक रूप से निशाना साधा जा रहा हैं...मैंने हमेशा उन्हें बड़े भाई की तरह सम्मान दिया है। मैं हमेशा उनकी बात सुनता हूं। लेकिन इससे दुख पहुंचता है। सामूहिक जिम्मेदारी कहां गई? उल्लेखनीय है कि पंजाब कैबिनेट में फेरबदल में सिद्धू से महत्वपूर्ण स्थानीय शासन विभाग ले लिया गया और उन्हें बिजली तथा नयी एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग का प्रभार दिया गया है। हालांकि, सिद्धू ने कहा कि उन्होंने हमेशा से अच्छा प्रदर्शन किया है और दावा किया कि पंजाब में पार्टी की जीत में शहरी इलाकों ने अहम भूमिका निभाई। सिद्धू ने संवाददाताओं से कहा, ''मुझे हल्के में नहीं लिया जा सकता। मैंने अपने जीवन में 40 साल तक अच्छा प्रदर्शन करके दिखाया है, चाहे वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट हो या ज्योफ्री बॉयकाट के साथ विश्वस्तरीय कमेंट्री हो, टीवी कार्यस्त्र5म हो या 1300 प्रेरक वार्ताओं का मामला हो।'' पंजाब के शहरी इलाकों में लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के ''खराब प्रदर्शन'' को लेकर मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह की नाराजगी का सामना कर रहे सिद्धू चुनाव के बाद बृहस्पतिवार को हुयी पहली कैबिनेट बैठक में शामिल नहीं हुए। सिद्धू ने कहा कि वह अपने नाम, विश्वसनीयता और प्रदर्शन का पूरी तरह से बचाव करेंगे। उन्होंने कहा, हर कोई मुझसे पूछ रहा है कि मैं कैबिनेट की बैठक में क्यों नहीं गया। जब आप कैबिनेट मंत्री बनते हैं तो शपथ दिलाई जाती है और उसके बाद कहा जाता है कि यह एक सामूहिक जिम्मेदारी है। मैं राजनीति विज्ञान का छात्र रहा हूं और यह पढ़ाया जाता है कि नियम यह है कि हम साथ चलेंगे और साथ डूबेंगे।

वृन्दावन में यमुना में चार युवक डूबे, तीन को बचाया, चौथे की तलाश जारी

मथुरा। उत्तर प्रदेश के मथुरा जनपद में वृन्दावन में केशीघाट पर बृहस्पतिवार को स्नान के दौरान गहरे पानी में चले जाने के कारण चार युवक डूबने लगे। इनमें से तीन को पुलिस ने गोताखोरों की मदद से बचा लिया लेकिन चौथे युवक की दोपहर से हीतलाश जारी है। उसका देर शाम तक कुछ भी पता नहीं चल सका। पुलिस अधिकारियों के अनुसार ये युवक मथुरा के सदर बाजार क्षेत्र के रहने वाले हैं। ये सभी यमुना में स्नान करने के इरादे से वृन्दावन पहुंचे थे। वे सभी केशीघाट क्षेत्र में यमुना में नहाने उतरे और गहरे पानी में चले गए जिससे वे एकसाथ डूबने लगे। पुलिस ने बताया कि इन युवकों में से तीन को तो गोताखोरों ने समय रहते बचा लिया लेकिन चौथे का पता नहीं चल पा रहा है। पुलिस विशेषज्ञ गोताखोरों की मदद से उसकी तलाश कर रही है। इन युवकों को फिलहाल वृन्दावन स्थित संयुक्त चिकित्सालय में भर्ती करा दिया गया है। कोतवाली प्रभारी संजीव कुमार दुबे ने बताया, ''इन युवकों की पहचान मथुरा के सदर थाना क्षेत्र के बड़ा कसाईपाड़ा इलाके के निवासी फरमान, आकिब व सद्दाम के रूप में हुई है, जिन्हें सकुशल बचा लिया गया है। इनके चौथे साथी लालू का पता नहीं चल सका है।''

प्रचंड गर्मी के बाद उत्तर प्रदेश में भयानक आंधी-तूफान ने ली 19 लोगों जान

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में आंधी-तूफान और आकाशीय बिजली गिरने से कम से कम 19 लोगों की मौत हो गयी तथा 48 अन्य घायल हो गए। प्रदेश के राहत आयुक्त कार्यालय ने शुक्रवार को बताया कि मैनपुरी में सबसे अधिक छह मौतें हुईं। एटा और कासगंज में तीन-तीन लोगों के मरने की खबर है। मुरादाबाद में आकाशीय बिजली गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गयी। बदायूं, पीलीभीत, मथुरा, कन्नौज, संभल और गाजियाबाद से भी एक-एक व्यक्ति की मौत की खबर है। राज्य के अलग-अलग हिस्सों में गुरुवार देर शाम आंधी-तूफान आया। जगह-जगह पेड़ टूटकर गिर गए। अनेक मकानों की दीवारें ढह गयीं। कार्यालय ने बताया कि सबसे अधिक 41 लोग मैनपुरी में घायल हुए। इस बीच, राज्य सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आंधी-तूफान से प्रभावित एटा, कासगंज, मैनपुरी, बदायूं, मुरादाबाद, फर्रुखाबाद जनपदों के प्रभारी मंत्रियों को निर्देश दिया है कि वे सम्बन्धित जनपदों का दौरा कर राहत कार्य का जायजा लें। उन्होंने संबंधित जनपदों के जिलाधिकारियों को स्वयं क्षेत्रों का दौरा कर राहत वितरित करने के निर्देश भी दिए। प्रवक्ता ने बताया कि जनपद एटा के प्रभारी मंत्री अतुल गर्ग, जनपद कासगंज के सुरेश पासी, जनपद मैनपुरी के गिरीश यादव, जनपद बदायूं के स्वामी प्रसाद मौर्य, जनपद मुरादाबाद के महेन्द्र सिंह तथा जनपद फर्रुखाबाद के प्रभारी मंत्री चेतन चौहान हैं।

खराब रोशनी के कारण AN-32 विमान का खोजी अभियान रोका गयाः वायुसेना

नई दिल्ली। लापता एएन-32 विमान का पता लगाने के लिए हेलीकाप्टरों द्वारा चलाए जा रहे खोजी और बचाव अभियान को खराब रोशनी के कारण रोक दिया गया है, लेकिन सी-130 जे सुपर हरक्यूलस विमान रात के समय भी अपना मिशन जारी रखेगा। वायुसेना ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। रूस में निर्मित इस लापता विमान ने सोमवार को दिन में करीब साढे बारह बजे जोरहाट से उड़ान भरी थी। दिन में एक बजे जमीनी नियंत्रण कक्ष से उसका संपर्क टूट गया था। विमान में चालक दल के आठ सदस्य और पांच यात्री सवार थे। तीनों सैन्य बलों ने विमान की खोज के लिए अपने- अपने संसाधनों को लगाया है। हालांकि, खोजी अभियान को अब तक कोई बड़ी सफलता नहीं मिली है। वायुसेना के एक अधिकारी ने कहा, ''हेलीकाप्टरों द्वारा बचाव एवं खोजी अभियान को खराब रोशनी के कारण रोक दिया गया है। यह शुक्रवार को फिर शुरू होगा। सी130जे रात में अपना मिशन जारी रखेंगे। बहरहाल, इस अभियान में अब तक कोई सफलता नहीं मिली है।''

तेलंगाना में 12 MLA ने छोड़ा कांग्रेस का साथ, पार्टी ने इसे लोकतंत्र की हत्या बताया

नईदिल्ली। कांग्रेस ने तेलंगाना में सत्तारूढ़ टीआरएस में शामिल होने वाले अपने 18 में से 12 विधायकों के पार्टी छोड़ने के तौर तरीके को 'दिन दहाड़े लोकतंत्र की हत्या' करार दिया। पार्टी प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा कि यह देश के लिए स्वस्थ परिपाटी नहीं है और यह जनादेश की हत्या है जिसके लिए तेलंगाना की जनता कभी माफ नहीं करेगी। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, '' जिस तरह से जनादेश और लोकतांत्रिक परिपाटयों की हत्या की जा रही है, वह ऐसी चीज है जिसे भारत को नहीं अपनाना चाहिए। भारतीयों को इस तरह दिनदहाड़े लोकतंत्र की हत्या का अभ्यस्त नहीं होना चाहिए।

कांग्रेस नेता शशि थरूर के बिच्छू संबंधी टिप्पणी पर कोर्ट ने दी जमानत

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबंध में की गई कथित बिच्छू टिप्पणी के खिलाफ दर्ज शिकायत के मामले में कांग्रेस नेता शशि थरूर की जमानत शुक्रवार को मंजूर कर ली। थरूर अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट समर विशाल की अदालत के सामने पेश हुए और उन्होंने जमानत याचिका दायर की जिसके बाद अदालत ने 20,000 रुपए के निजी मुचलके पर उनकी जमानत मंजूर कर ली। भाजपा की दिल्ली इकाई के नेता राजीव बब्बर ने थरूर के खिलाफ आपराधिक मानहानि शिकायत दर्ज कराई थी। बब्बर ने अपनी शिकायत में कहा कि कांग्रेस नेता के बयान के कारण उनकी धार्मिक भावनाएं आहत हुईं। दिल्ली बीजेपी नेता राजीव बब्बर ने अपनी याचिका में पटियाला हाउस कोर्ट को सुनवाई के दौरान कहा था कि शशि थरूर के इस बयान से बीजेपी कार्यकर्ताओं, आरएसएस के कार्यकर्ताओं और प्रधानमंत्री मोदी के समर्थकों को गहरा धक्का लगा है।

आंध्र प्रदेश में होगे पांच उप-मुख्यमंत्री,

अमरावती। आंध्र प्रदेश में तेलुगू देशम पार्टी को सत्ता से बेदखल करने के बाद जगन मोहन रेड्डी की अगुवाई में बनी वाएसआर कांग्रेस की सरकार में पांच उप-मुख्यमंत्री बनाए जाएंगे। ऐसा फैसला इसलिए किया गया है ताकि सभी जातियों का सत्ता में संतुलन बनाया जा सके। वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के विधायक मोहम्मद मुस्तफा साइक ने कहा- आंध्र प्रदेश सरकार में पांच उप-मुख्यमंत्री बनाए जाएंगे। ये उप-मुख्यमंत्री एससी, एसटी, पिछड़ी जातियों, अल्पसंख्यक और कापू समुदाय से एक-एक बनाए जाएंगे। गौरतलब है कि राज्य की 175 विधानसभा सीट

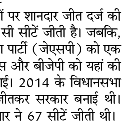

में वाईएसआर कांग्रेस ने 151 सीटों पर शानदार जीत दर्ज की है जबकि 25 में से 22 लोकसभा सी सीटें जीती है। जबकि, अभिनेता पवन कल्याण की जनसेना पार्टी (जेएसपी) को एक सीट पर जीत मिली। तो, वहीं कांग्रेस और बीजेपी को यहां की एक भी सीट पर जीत नहीं मिल पाई। 2014 के विधानसभा चुनाव में टीडीपी ने 102 सीट जीतकर सरकार बनाई थी। जबकि बीजेपी ने 4 और वाईएसआर ने 67 सीटें जीती थी।

MEA ने किया स्पष्ट, मोदी-इमरान के बीच नहीं होगी द्विपक्षीय बैठक

नई दिल्ली।

भारत ने बृहस्पतिवार को कहा कि अगले हफ्ते किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में एससीओ शिखर सम्मेलन से इतर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पाकिस्तान के उनके समकक्ष इमरान खान के बीच किसी भी द्विपक्षीय बैठक की कोई योजना नहीं है। दरअसल ऐसी संभावना थी कि टेलीफोन पर दोनों प्रधानमंत्रियों के बीच हुई बातचीत के कुछ दिन बाद ही पाकिस्तान के विदेश सचिव सुहैल मुहम्मद के भारत आने के आलोक में मोदी और खान के बीच द्विपक्षीय बैठक हो सकती है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रवीश कुमार ने मीडिया ब्रीफिंग में कहा, ''मेरी जानकारी के हिसाब से हमारे प्रधानमंत्री और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री के बीच किसी भी द्विपक्षीय बैठक की योजना नहीं है।'' जब उनसे स्पष्ट तौर पर पूछा गया कि क्या वह बिश्केक में मोदी-खान बैठक की संभावना से पूरी तरह इनकार कर रहे हैं तो उन्होंने कहा कि उन्हें दोनों नेताओं के बीच होने जा रही किसी बैठक की जानकारी नहीं है। मोदी और खान 13-14 जून को शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। पाकिस्तान के विदेश सचिव की वर्तमान भारत यात्रा के बारे में कुमार ने कहा कि यह उनकी निजी यात्रा है और भारतीय अधिकारियों के साथ उनकी बैठक की कोई योजना नहीं है। मुहम्मद तीन दिन की निजी यात्रा पर मंगलवार को भारत पहुंचे। वह मध्य अप्रैल में पाकिस्तान के विदेश सचिव का पदभार संभालने से पहले भारत में (पाकिस्तान के) उच्चायुक्त थे। पुलवामा हमले के बाद दोनों देशों के बीच तनाव बहुत बढ़ गया था और दोनों देश करीब करीब युद्ध की कगार पर पहुंच गये थे। दअरसल भारतीय सैन्य विमानों ने 26 फरवरी को पाकिस्तान के बालाकोट में आतंकवादी प्रशिक्षण शिविर पर हमला किया और अगले ही दिन पाकिस्तान ने जवाब कार्रवाई की। उल्लेखनीय है कि संबंधों में तनाव दूर करने की कोशिश करते हुए खान ने 26 मई को फोन पर मोदी से बातचीत की और इस क्षेत्र में शांति एवं समृद्धि के लिए मिलकर काम करने की अपनी इच्छा प्रकट की। तब मोदी ने इस क्षेत्र में शांति एवं समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए विश्वास तथा हिंसा एवं आतंकवाद से मुक्त माहौल तैयार करने पर जोर दिया। कुमार ने यह भी कहा कि पिछले महीने बिश्केक में तत्कालीन विदेश मंत्री सुषमा स्वराज और उनके पाकिस्तानी समकक्ष शाह महमूद कुरैशी के बीच कोई बैठक नहीं हुई। दोनों ही एससीओ के विदेश मंत्रियों के सम्मेलन में हिस्सा लेने पहुंचे थे। कुमार ने कहा कि जिस फोटो में दोनों दिख रहे हैं, वह तब ली गयी जब वे एससीओ के विदेश मंत्रियों क सम्मेलन के कक्ष में बैठे थे।

संपादकीय

ब्याज दर और विकास दर

मानसून ने केरल के तट से टकराने का अपना कार्यक्रम दो दिनों के लिए स्थगित कर दिया है, अब इसकी राहत भरी खबर 6 जून की बजाय 8 जून को आने की उम्मीद है। मानसून की बरसात भले स्थगित हो गई हो, लेकिन 6 जून को रिजर्व बैंक ने राहत की बौछार जरूर कर दी। उसने चार महीने में तीसरी बार रेपो दरें चौथाई फीसदी कम कर दीं। इसी के साथ ही रेपो दरें पिछले कई साल के सबसे निचले स्तर पर आ गई हैं। देश के बैंक जिस ब्याज दर पर रिजर्व बैंक से कर्ज हासिल करते हैं, उसे रेपो दर कहा जाता है। रेपो दर कम होने का अर्थ होगा बैंक अब कम दरों पर कर्ज दे सकेंगे। इसके साथ ही उद्योगों और होम लोन की ब्याज दरें कम होने के आकलन भी शुरू हो गए हैं। इस समय देश में जो आर्थिक स्थिति है और जो मंदी का माहौल है, उसके चलते ऐसी राहत का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा था। हाल ही में बीती तिमाही की विकास दर पिछली 21 तिमाही में सबसे निचले स्तर पर रही है। महंगाई दर बहुत ज्यादा नहीं है, इसलिए रिजर्व बैंक इस काम को बड़े आराम से अंजाम भी दे सकता था। उम्मीद की जा रही है कि रिजर्व बैंक की यह कर्ज नीति मंदी को कुछ हद तक थामने का काम कर सकती है। कितनी, यह कहना अभी मुश्किल है। दिलचस्प बात यह है कि खुद रिजर्व बैंक ने अपनी नीति में सारी उम्मीद उस मानसून से बांधी है, जो फिलहाल दो दिन और लेट हो गया है। रिजर्व बैंक को उम्मीद है कि मानसून अगर सामान्य रहा, तो अर्थव्यवस्था पटरी पर आ जाएगी। लेकिन हैरत की बात यह रही कि कर्ज नीति की घोषणा के तुरंत बाद ही शेयर बाजार अचानक मुंह के बल गिरा। पिछले आम चुनाव के नतीजों की घोषणा के बाद से ही बाजार लगातार ऊपर जा रहा था और बंबई शेयर बाजार का संवेदनशील सूचकांक तो 40 हजार की ऐतिहासिक बुलंदी को भी पार कर गया था। लेकिन नई कर्ज नीति की घोषणा होते ही वह टूटकर 553 अंक नीचे आ गया। इस साल बाजार में एक दिन में इतनी गिरावट पहली बार देखने को मिली है, वह भी तब, जब दुनिया भर के बाजारों में स्थितियां सामान्य होती दिख रही हैं। पूंजी बाजार के माहिरों का कहना है कि रिजर्व बैंक ने जो राहत दी, उसे बाजार पहले से ही मानकर चल रहा था और इसी हिसाब से उसने पिछले दो दिनों में उछाल भरी थी। इसलिए नई कर्ज नीति में उसे कुछ नया नहीं दिखा और वह एकाएक लुढ़क गया। शेयर बाजार को अर्थव्यवस्था को कोई बहुत अच्छा सूचकांक नहीं माना जाता, इसलिए इससे किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंचा जा सकता, पर बाजार की गति यह तो बताती ही है कि कर्ज नीति सारी समस्याओं का रामबाण नहीं है। पूरी अर्थव्यवस्था में कर्ज नीति एक महत्वपूर्ण, लेकिन छोटी भूमिका निभाती है। अर्थव्यवस्था को फिर से पटरी पर लाने और तेज विकास दर की ओर ले जाने में असल भूमिका सरकार को ही निभानी होगी। विकास दर का लगातार नीचे जाना और बेरोजगारी की दर का बढ़ना ऐसी समस्याएं हैं, जिन पर तुरंत ध्यान देना जरूरी है। ये चिंताएं रिजर्व बैंक की कर्ज नीति में भी दिखाई दी हैं और उम्मीद है कि अगले बजट में सरकार इसकी कोशिश करती दिखेगी। तब तक शायद मानसून को लेकर स्थिति भी स्पष्ट हो जाएगी, वैसे भी अर्थनीति को मानसून पर निर्भरता से आगे ले जाने की जरूरत है।

ट्वीट

बेरोजगारी

श्रम मंत्रालय ने लोक सभा चुनाव के बाद अब अपने आंकड़े से इस बुरी खबर को प्रमाणित कर दिया है कि देश में बेरोजगारी की दर पिछले 45 सालों में सबसे अधिक 6.1 फीसद पर जा पहुंची है। परंतु गरीबी व बेरोजगारी के शिकार करोड़ों लोगों द्वारा अब पछताने से क्या होगा जब चिड़िया चुग गई खेत?

मायावती, राष्ट्रीय अध्यक्ष-बसपा

कृषि सुगमता सूचकांक से होगा कायाकल्प

देविंदर शर्मा

बिहार के अररिया जिले के लगभग 144 किसान वर्ष 2017 में उनकी धान की फसल को हुए नुकसान की एवज में मिलने वाले मुआवजे की आज भी बाट जोह रहे हैं, जिसे देने का वादा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत किया गया था। इसी तरह मध्य प्रदेश के मंदसौर जिले के प्याज उत्पादक किसान इस साल लगी फसल की बहुत कम कीमत को मजबूरी में सहने को मजबूर हैं। यहां तक कि महज 50 पैसे प्रति किलो की दर पर भी खरीदार नहीं मिले, इसलिए ज्यादातर किसानों को अपना उत्पाद खेतों में फेंकना पड़ा है। उधर पंजाब में भी आत्महत्या करने वाले कृषकों की विधवाएं 2 लाख रुपये मुआवजे का इंतजार आज भी कर रही हैं, जिसे देने का वादा राज्य सरकार ने किया था। मध्य प्रदेश में एक मामले में इटारसी जिले के एक किसान ने जब स्थानीय कृषि उत्पाद मंडी में तोल मशीन में गड़बड़ी को लेकर उपायुक्त को फोन कर तो दिया लेकिन उसे केवल इसलिए गिरफ्तार कर लिया गया कि क्यों उसने सीधे बात करने की जुर्रत की है। उपरोक्त उदाहरणों के मद्देनजर अफसरशाही द्वारा पैदा की गई उन अड़चनों का सिलसिला अंतहीन है, जिनका सामना आए दिन कृषकों को करना पड़ता है। प्रशासनिक व्यवस्था में बैठे लोगों के लिहाज से देखें तो ये बातें उनके लिए कम ही महत्व रखती हैं, जिनके खाते में हर महीने पहली तारीख को बाकायदा तनख्वाह आ जाती है। खेत दिहाड़ीदार मजदूर किस कदर मुश्किलों का सामना कर रहा है, इसका पता वर्ष 2017-18 के अध्ययन से लगता है कि पहली दो तिमाहियों में काम पूरा होने के बावजूद उनकी बनती मजदूरी का केवल 32 फीसदी भुगतान ही समय पर हो पाया था। गन्ना उत्पादक कृषकों की बात करें तो उन्हें साल में एक दफा ही आमदनी मिलती है जब वे अपनी फसल चीनी मिल को पहुंचाते हैं। यहां भी इस साल फरवरी के मध्य तक उनकी तरफ निकलते 23,800 करोड़ का बकाया अभी बाकी है। एक गन्ना किसान को अपनी रकम मिलने में औसतन कम से कम दो साल का इंतजार करना पड़ता है। हर कदम पर किसानों और कृषि मजदूरों को जिस किस्म की मुश्किलों से दो-चार होना पड़ता है, वह चकराने वाला है। इसका अंदाजा लगाना भी मुश्किल है कि कृषक को फसल की हक-हलाल की उचित कीमत न मिलने पर उसे और उसके परिवार को किन मुसीबतों और अवसादों से गुजरना पड़ता है। यदि ऐसा न हो तो तंग आकर उन्हें सड़कों पर टमाटर, प्याज और अन्य सब्जियां फेंकने की नौबत न आए। उन परिवारों पर क्या गुजरती होगी, जिनकी खड़ी फसल को जंगली और आवारा पशु तबाह कर देते हैं। अपनी तैयार फसल को ओलावृष्टि, तूफान या आसामयिक बारिश से खराब होते देखना अचानक कहीं से आन लगे हथौड़े के वार से कम नहीं है। मैंने उन शहरियों को देखा है जो उक्त किस्म के अध्ययनों की गंभीरता को यह कहकर खारिज करते हैं कि कृषि में तो ऐसा होना आम बात है, कुछ नया नहीं है लेकिन जब खुद की तनख्वाह आने में एक या दो महीने की देरी हो जाए तो यह लोग बुक्का फाड़कर विरोध और धरना-प्रदर्शनों पर उतर आते हैं। कृषि संबंधी संकट का बहुत बड़ा दोष उस त्रुटिपूर्ण प्रशासनिक प्रणाली की वजह से है, जिसमें भौतिक, सामाजिक, प्राकृतिक और मानवीय संसाधनों का उचित प्रबंधन नदारद है और यही सारे अवयव कृषि के पेशे को व्यावहारिक बनाने के लिए आवश्यक हैं। जब राजीव गांधी ने कहा था कि सरकार की ओर से जारी एक रुपये में केवल 15 पैसे ही ग्रामीण लाभार्थियों तक पहुंच पाते हैं तो उनका इशारा मार्ग में पड़ने वाली अफसरशाही द्वारा भारी भरकम हिस्सा हड़पने से आर्थिक स्रोतों की हानि की तरफ था। इतना बड़ा घाटा उठाने के अलावा किसानों और मजदूरों को फसल की बुवाई-कटाई और बेचने के दौरान असंख्य अड़चनों और मुश्किलों का सामना करना पड़ता है, जिसके चलते खेती आज एक घाटे का पेशा और अरुचिकर बनकर रह गयी है। यहां तक कि कर्ज मिलना और इसकी उगाही तक में बहुत-सी मुश्किलें पेश आती हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार किसानों की आत्महत्या के पीछे लगभग 80 प्रतिशत मामलों में वजह बैंक के तकादों से होने वाली परेशानी है। क्यों हम कृषि हेतु एक सतत व्यावहारिक सूचकांक नहीं बना पाए? न केवल व्यापार करने के धंधे में ठोस और कुशल नियम अपना महत्व रखते हैं बल्कि एक फलते-फूलते कृषि क्षेत्र के लिए भी उतने ही जरूरी हैं ताकि देश से अत्यंत दर्जे की गरीबी और भूख मिट सके और ठीक इसी वक्त सतत विकास का ध्येय भी पाया जा सके। आखिरकार एक ऐसे देश में जहां 60 करोड़ लोग सीधे या परोक्ष रूप से कृषि पर ही निर्भर हैं, वहां सुधारों का आगमन न केवल खेती की राह में बन चुके संकरे मोड़ों को हटाने में मदद करेगा बल्कि इस व्यवसाय में सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के निवेश की राह भी प्रशस्त करेगा। विश्व बैंक संगठनों ने वर्ष 2003 में व्यापार-धंधे के लिए सुगमता सूचकांक विधि शुरू की थी। इसी तर्ज पर कृषि करने में भी सुगमता वाला सूचकांक बनाया जाना चाहिए ताकि मुनाफे वाली खेती बनने से इस पर निर्भर करोड़ों जिंदगियों में आर्थिक खुशहाली और तरक्की हो पाए। विश्व व्यापार सुगमता सूचकांक में भारत 190 देशों वाली सूची में 77वें स्थान पर है। सिर्फ इसलिए कि विश्व बैंक जैसी संस्थाएं इसको बढ़ावा देती हैं। इसकी देखा-देखी अनेक विश्वविद्यालयों और संस्थानों ने अपनी-अपनी सूचकांक सूची बनानी शुरू कर दी है, जिससे व्यापार-धंधे में प्रतिस्पर्धा करने में मदद मिलती है। दूसरी ओर जहां कृषि में आमदनी को दुगना करने की बात हालांकि बहुत जोर-शोर से की जा रही है लेकिन उसे मूर्त रूप देने के लिए सबसे पहले उत्पादकता की तफसील, सुगम प्रणाली वाले कृषि-मंचों की स्थापना और इसके बाद तयशुदा समय सीमा के भीतर योजना का क्रियान्वयन करने से खेती में पुनः जान फूंकने की नींव बन पाएगी। वह भी ऐसे वक्त में जब देश में स्थिति 'बेरोजगारी से रोजगार-लुप्त' होने की ओर बढ़ रही है, कृषि को सृजित करना ही एकमात्र भावी विकल्प है। सूचकांक विकसित करने में 'नाबार्ड' मुख्य भूमिका अदा कर सकता है और इस काम में अनेक कृषि विश्वविद्यालय-संस्थान, गैर-सरकारी संगठन और यहां तक कि कृषि के लिए आंदोलन करने वालों के संगठनों को भी साथ लिया जा सकता है। 2017 में तत्कालीन वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक अभिभाषण में कहा थाः 'आज तक व्यापार सुमगता बढ़ाने के लिए कुल मिलाकर 7000 से ज्यादा छोटे-बड़े उपाय किए जा चुके हैं।' इससे पहले केंद्र में राजग की सरकार बनने के कुछ समय बाद ही यानी वर्ष 2014 के अगस्त माह में सीआईआई की बैठक में 60 बिंदुओं वाली सूची जारी की गई थी, जिन्हें व्यापार-धंधा करने के लिए बनाए गए नियमों में हरी झंडी जल्द पाने में मदद देना बताया गया था। इसके 6 महीने के बाद सरकार 29 सूत्रों वाली एक और कार्ययोजना लेकर आई थी। जितनी तेजी सरकार ने व्यापार-धंधे को सुगम बनाने के लिए दिखाई है, उतनी ही तत्परता की जरूरत कृषि क्षेत्र में सुधार हेतु है। इसके लिए नीति नियंताओं की मानसिकता को बदलने की जरूरत है जो खेती को आर्थिक गतिविधि में गिनने को राजी ही नहीं हैं। केवल कृषि ही अपने दम पर देश की आर्थिकी को फिर से सृजित करने का दम रखती है और कृषि सुगमता सूचकांक विधि इसमें निहित अपार संभवानाओं को बाहर आने का मौका प्रदान करेगी। आखिरकार व्यापार-धंधे में सुगमता बनाने के लिए अगर सरकार 7000 से ज्यादा सुधार ला सकती है और अगर यह कृषि के लिए 5,000 सुधार भी अमल में ले आए तो कल्पना कीजिए कि इससे ग्रामीण भारत का कितना कायाकल्प हो सकता है। इससे भारतीय कृषि का स्वरूप बदल जाएगा, सदा के लिए।

लेखक खाद्य एवं कृषि विशेषज्ञ हैं।

ज्ञान गंगा

आदर्श

जग्गी वासुदेव

आप जब आदर्श की बात करते हैं, तो इसका अर्थ है ऐसा जीवन जो दूसरों के लिए अच्छा उदाहरण बनता है। लेकिन रूमी, कबीर और उनके जैसे अन्य लोग, हमें केवल उनका आनंद लेना चाहिए। हमें उनकी नकल नहीं करनी चाहिए। वे बगीचे के फूलों जैसे हैं, आप फूल बनने की कोशिश नहीं करते। आप बस फूलों का आनंद लेते हैं। ये बहुत अच्छा हुआ कि ऐसे लोग अलग-अलग स्थानों पर खिले। ऐसे बहुत से लोग हैं जो खिले हैं। आज भी हर शहर में, गांव में ऐसा कोई न कोई है। शायद उनको उस स्तर की लोकप्रियता न मिली हो। किसी को उच्च स्तर प्राप्त होता है, किसी को नहीं होता-यह एक सामाजिक और ऐतिहासिक बात है, लेकिन वह पहलू खत्म नहीं हुआ और कभी हो भी नहीं सकता। कहीं न कहीं, ये कई प्रकार से अभिव्यक्त होता है। अपने लिये किसी एक कबीर को उदाहरण बनाने के बजाय, हमें कबीर के उस आंतरिक अनुभव की ओर देखना चाहिए, जिसने उन्हें ऐसा प्रभावशाली मनुष्य बनाया था। जब बाहरी योग्यताओं की बात होती है तो हम सब में अलग-अलग योग्यताएं हैं। जो आप कर सकते हैं वो मैं नहीं कर सकता, जो मैं कर सकता हूं, वो आप नहीं कर सकते। लेकिन जब अंदरूनी संभावनाओं की बात होती है तो हम सब समान रूप से योग्य हैं। ये एक व्यक्ति में क्यों खिलती है और दूसरे में क्यों नहीं खिलती, ये सिर्फ इसलिए है कि उस एक व्यक्ति ने उस आयाम की ओर ध्यान दिया है, दूसरे ने नहीं। कबीर जो कुछ भी थे, रूमी, कृष्ण, आदियोगी जो कुछ भी थे, हम सब में भी वह योग्यता है। पर क्या हमारी कविता लिखने की या नृत्य, संगीत, गणित के विषय में भी वही योग्यता है? शायद नहीं! लेकिन हम सब में वह योग्यता है कि हम उस विशिष्ट अनुभव को पा सकें, जो उन्होंने पाया। जब ये अनुभव कबीर में घटित हुआ, तो सम्भवतः उस समय की सामाजिक एवं अन्य परिस्थितियों के अनुसार उनका अनुभव सुंदर काव्य के रूप में अभिव्यक्त हुआ। आज अगर ये अनुभव किसी में घटित होता है, तो वे कुछ एकदम अलग कर सकते हैं। वे वो काम नहीं करेंगे। वह आंतरिक अनुभव जिसकी वजह से काव्य, नृत्य, संगीत, गणित या विज्ञान उत्पन्न होते हैं, वह ज्यादा महत्त्वपूर्ण है, बजाए इसके कि एक व्यक्ति विशेष में किस तरह की अभिव्यक्ति होती है।

सारंगी : सादगी के संत का राजयोग

चर्चित चेहरा/ अरुण नैथानी

सहज विश्वास नहीं होता कि भारतीय लोकतांत्रिक चुनाव प्रक्रिया में वह जगह बाकी है कि घरबार, कार-कारोबार के बिना साइकिल व ऑटो से प्रचार करने वाला कोई शख्स धनाढ्यों के मुकाबले सांसदी का चुनाव जीत जाये। फिर केंद्र सरकार में मंत्री भी बन जाये। मजेदार यह कि देश के सबसे बड़े राजनीतिक दल का अध्यक्ष उस शख्स को मंत्री-पद हेतु शपथ दिलाने के लिये फोन करता रहे और बंदा फोन साइलेंट पर करके भूल जाये। फिर पार्टी कार्यालय द्वारा उन्हें मंत्री बनने की सूचना दी जाये। ओडिशा के बालासोर से दिग्गज राजनेताओं को हराकर सांसद बने प्रताप चंद्र सारंगी जब 23 मई को मंत्री-पद की शपथ लेने उठे तो राष्ट्रपति भवन का प्रांगण तालियों से गूंज उठा। तालियां बजाने वालों में प्रधानमंत्री मोदी व अमित शाह भी थे। फिर इस शख्स के शपथ ग्रहण के चित्र सोशल मीडिया पर वायरल हुए। मीडिया में उनके सादगी भरे जीवन की खूब चर्चा हुई। 'ओडिशा का मोदी' कहे जाने वाले प्रताप सारंगी की सादगी हमेशा चर्चाओं में रही। वे दो बार नीलगिरी से विधायक भी चुने गये। जब भी उनकी तलाश की जाती तो वे अपनी झोपड़ी में मिलते। उनके चुनावी हलफनामे के अनुसार उनके पास सिर्फ पंद्रह हजार रुपये की नकदी है, उनकी चल संपत्ति डेढ़ लाख रुपये की है। वह भी तब जब लोकसभा चुनाव में उम्मीदवारों की औसत संपत्ति चार करोड़ रुपये थी। जब वे विधायक थे तो एमएलए आवास में चटाई पर सोते और उनके पास ले-देकर एक पुराना टीवी और कुछ किताबें ही हुआ करती थीं। अपने लोगों में उनकी सिर्फ मां ही थी जो उनके राजयोग देखने से पहले ही पिछले साल चल बसी। लोगों में 'प्रताप नना' के नाम से विख्यात सारंगी को अक्सर ढाबों में खाना खाते, बस व ट्रेन का इंतजार करते और साइकिल पर आते-जाते देखा जा सकता था। हालांकि बालासोर से उनकी जीत आसान नहीं थी। चुनाव मैदान में उनका सामना प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष निरंजन पटनायक के बेटे नवज्योति पटनायक से था। दूसरे, उन्हें पिछले लोकसभा चुनाव में एक लाख बयालिस हजार वोटों से हराने वाले बीजू जनता दल के सांसद रवींद्र जेना थे जो खासे संपन्न व ताकतवर थे। जहां एक ओर इन राजनेताओं की दर्जनों एसयूवी चुनाव प्रचार में लगी थीं, वहीं सारंगी साइकिल और एक ऑटो के जरिये प्रचार कर रहे थे। आखिर उनकी जीत हुई और उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी जेना को करीब बारह हजार वोटों से हराया। उनकी जीत से भारतीय प्रजातंत्र में आस्था रखने वालों का विश्वास मजबूत हुआ कि राजनीति में अच्छे और साधारण लोगों के लिये गुंजाइश बाकी है। हमेशा सफेद कुर्ता-पजामा पहने, पैरों में हवाई चप्पल और कंधे पर कपड़े का झोला रखने वाले प्रताप चंद्र सारंगी बचपन में साधु बनना चाहते थे। वे एक बार रामकृष्ण मठ में शामिल होने भी गये। मगर उन्हें सलाह दी गई कि वे अपनी विधवा मां की सेवा करें। फिर उन्होंने समाज के प्रति समर्पण व जनसेवा को जीवन का लक्ष्य बना लिया। वे संघ की विचारधारा के सेवा प्रकल्पों से खासे प्रभावित हुए। संघ से जुड़ाव के चलते उन्होंने विवाह भी नहीं किया। दरअसल, सारंगी का जीवन सरल सपाट भी नहीं रहा। संघ की विचारधारा से जुड़ने और इसके अनुषांगिक संगठनों में सक्रियता के चलते वे विरोधी राजनीतिक दलों के निशाने पर भी रहे। अयोध्या में विवादित भूमि मंदिर निर्माण के लिये दिये जाने की मांग को लेकर किये गये विधानसभा घेराव के बाद उनके विरुद्ध सामाजिक समरसता को ठेस पहुंचाने, दंगा भड़काने, सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के मुकदमे भी दर्ज किये गये। वे गिरफ्तार भी हुए। ईसाई धर्मांतरण के खिलाफ आंदोलन पर भी

उनके विरुद्ध मामले सामने आये लेकिन वे किसी भी मामले में दोषी नहीं पाये गये। ओडिशा के मोदी कहे जाने वाले सारंगी के लिये समाज ही परिवार है। वर्ष 2004 व 2009 में विधायक बनने पर उन्होंने सेवा से लोगों का दिल जीता। यही वजह है कि बीजद के मजबूत गढ़ बालासोर से जीतकर संसद पहुंचे। चौसठ साल की उम्र में भी उनकी सक्रियता देखते बनती है। वे बीजेपी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य भी रहे हैं। सारंगी लंबे समय से विभिन्न संगठनों के जरिये सेवा के प्रकल्पों से जुड़े रहे हैं। शिक्षा मंदिर योजना के तहत उन्होंने गरीब बच्चों के लिये कई स्कूल भी खोले। इसके अलावा समाज में व्याप्त कुरीतियों तथा भ्रष्टाचार, अवैध शराब, पुलिस की मनमानी जैसे मुद्दों पर सामाजिक आंदोलन चलाते रहे हैं। ओडिशा में खासे लोकप्रिय सारंगी के बारे में कहा जाता है कि जब भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ओडिशा दौरे पर होते हैं, उनसे जरूर मिलते हैं।

उनके योगदान को देखते हुए उन्हें मंत्रिमंडल में जगह दी गई। उन्हें सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय, पशुपालन, डेयरी और मत्स्य पालन विभाग में राज्यमंत्री का दर्जा दिया गया है। वेशभूषा से राजनेता कम, साधु ज्यादा लगने वाले बालासोर के इस नवनिर्वाचित सांसद के मंत्री बनने के बाद ओडिशा व देश के लोगों की उम्मीदें बढ़ गयी हैं।

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक समस्या सुलझाने में आप सफल होंगे। वाणी की सौम्यता आपके लिए लाभदायी होगी। शासन सत्ता का सहयोग रहेगा। आर्थिक लाभ होगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

वृषभ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। प्रणय संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

कर्क पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। निजी संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

सिंह दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। आपके प्रभाव तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। तनाव व टकराव की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी।

कन्या शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। आपके पराक्रम तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। आय के नए स्रोत बनेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

वृश्चिक बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आय के नवीन स्रोत बनेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। व्यर्थ की उलझनें रहेंगी।

धनु व्यावसायिक योजना सफल होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मकर जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। खान-पान में सावधानी रखें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। किया गया पुरुषार्थ सार्थक होगा। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं।

कुम्भ पारिवारिक जनों के मध्य सुखद समय गुजरेगा। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नए अनुबंध मिलेंगे। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

मीन शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। भाई या पड़ोसियों से अकारण विवाद हो सकता है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा।

बिजली निगम की चार मंजिला इमारत में नहीं वाटर कूलर

कुरुक्षेत्र। सेक्टर चार स्थित बिजली निगम की इमारत में जहां पर दो एसडीओ और एसई कार्यालय हैं वहां पर आने वाले उपभोक्ताओं को पीने के पानी तक के लिए नसीब नहीं होता। दोपहर 12 बजे का समय है और हम बिजली निगम कार्यालय में खड़े हैं। यहां बिजली भरने आए दो उपभोक्ता पीने के लिए पानी ढूंढ रहे हैं। कोई उन्हें कहीं भेजता है तो कोई कहीं पर। एक कर्मचारी ने उन्हें अपने निजी पानी के कैंपर से पानी पिलाया। पूछने पर एक कर्मचारी ने बताया कि उपभोक्ता तो क्या कर्मचारी भी पानी की बूंद-बूंद के लिए तरस जाते हैं। कुछ कर्मचारी अपने लिए पानी के कैंपर मंगवाते हैं वह भी 11 बजे से पहले ही खत्म हो जाते हैं। ऐसे में झुलसा देने वाली गर्मी में जहां पानी बेहद जरूरी माना जाता है। इतने बड़ी इमारत में एक भी वाटर कूलर नहीं होना लोगों को परेशानी में डाल रहा है। निगम कार्यालय में जहां रोजाना सैकड़ों लोग बिजली बिल जमा कराने से लेकर बिल ठीक कराने, नया मीटर लगवाने जैसे तमाम कार्यों के लिए रोजाना आते हैं। वहां पानी की किल्लत गहराई हुई है।

जहां सैकड़ों लोग रोजाना आते वहां पेयजल की व्यवस्था ही नहीं

सुमित गुप्ता ने कहा कि गर्मी में पानी सबसे जरूरी है। बाहर निकलने के बाद पानी की प्यास लगने लगती है। पानी नहीं मिलने पर गला सूखने लगता है। मगर कमाल की बात है कि जिस सार्वजनिक स्थान पर सैकड़ों लोग आते हैं वहां पर पेयजल की व्यवस्था ही नहीं है। हर सार्वजनिक स्थलों पर पेयजल की व्यवस्था मूलभूत सुविधाओं में है। इसके बावजूद आम लोग तो क्या कर्मचारी तक पानी के लिए भटकता है।

मीटर काट गए, लगाने के लिए 15 दिन से काट रहा हूं चक्कर

डेरा रामपुरा निवासी सुखबीर सिंह ने कहा कि तीन महीने पहले बिजली निगम वाले मीटर काट कर ले गए थे। उसने 15 दिन पहले बिजली का बिल भी भर दिया, लेकिन अभी तक मीटर नहीं जोड़ा गया है। बार-बार बिजली निगम के चक्कर काटने पड़ रहे हैं। जब कनेक्शन काटने में देरी नहीं की जाती तो जोड़ने में उपभोक्ता को परेशान क्यों किया जाता है। इतनी भयंकर गर्मी में घर में रहना मुश्किल हो गया है।

महागठबंधन पर हुड्डा का बड़ा इशारा, बोले- अभी तेल देखो फिर तेल की धार

चंडीगढ़। वरिष्ठ कांग्रेस नेता व पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा का 9 जून को दिल्ली में वरिष्ठ कांग्रेसियों की बैठक बुलाई गई है। इस बैठक में हरियाणा विधानसभा चुनाव को लेकर अगली रणनीति तय की जाएगी। इसके बाद कार्यकर्ताओं की भी बैठक बुलाई जाएगी। अलग झंडे और डंडे के सवाल पर हुड्डा ने कहा ऐसा कुछ नहीं है। डंडा और झंडा तो यही है। महागठबंधन के सवाल पर हुड्डा ने कहा तेल देखो फिर तेल की धार यानि इंतजार करेंगे। लोकसभा चुनाव में बीजेपी की जीत पर हुड्डा ने कहा कि यह मोदी लहर और छद्म राष्ट्रवाद के प्रचार की जीत है। हरियाणा में कांग्रेस की हार के भी यही कारण है। कुछ पार्टी का संगठन भी वजह है। चौटाला परिवार से दोस्ती हो सकती है या नहीं इस पर हुड्डा ने कहा कि चौटाला साहब का और मेरा राजनीतिक मतभेद है, लेकिन उनके बच्चे मेरे और मेरे बच्चे उनके हैं। सामाजिक रिश्ते राजनीति से अलग होते हैं। हुड्डा ने नेताओं को सभ्य भाषा का इस्तेमाल करने की नसीहत भी दी। उधर, हुड्डा आज मानेसर स्कैम मामले में पंचकूला की विशेष सीबीआइ कोर्ट में पेश हुए। मामले में आज पूर्व हुड्डा सहित सभी आरोपियों पर आरोपों को लेकर बहस शुरू हुई। मामले की अगली सुनवाई अब 1 जुलाई को होगी। उस दिन भी आरोपों पर बहस रहेगी जारी।

हरियाणा सरकार का बड़ा फैसला, सामान्य वर्ग से भरे जाएंगे पिछड़ी जातियों के लिए आरक्षित पद

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार आजकल भर्तियों के मूड में हैं। मनोहरलाल सरकार ने बड़ा फैसला करते हुए पिछड़े वर्ग के लिए आरक्षित पदों को सामा-?य वर्ग से भरने का फैसला किया है। हाईकोर्ट ने जाट सहित छह पिछड़ी जातियों के आरक्षण पर रोक लगा रखी है। ऐसे में विधानसभा चुनाव से पहले बंपर भर्तियों की तैयारी में लगी प्रदेश सरकार अब जाट, जट सिख, रोड़, बिश्नोई, त्यागी और मुल्ला जाट-मुस्लिम जाटों के लिए आरक्षित पदों को सामान्य जातियों के उम्मीदवारों से भरेगी। विशेष पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षित पदों पर भी सामान्य वर्ग के युवाओं की भर्ती की जाएगी। इसी तरह ईबीपीजी (सामान्य जातियों में आर्थिक आधार पर पिछड़े लोग) कैटेगरी में शामिल ब्राह्मण, बनिया, राजपूत व पंजाबी के लिए आरक्षित पदों को दूसरी जातियों के आर्थिक रूप से कमजोर उम्मीदवारों से भरा जाएगा। पिछड़ा वर्ग की सी कैटेगरी, विशेष पिछड़ा वर्ग व ईबीपीजी कोटे के पदों पर सामान्य श्रेणी के युवा होंगे भर्ती पिछड़ा वर्ग की सी ब्लॉक कैटेगरी में आने वाली छह जातियों सहित विशेष पिछड़ा वर्ग और ईबीपीजी कोटे के तहत आरक्षण पर पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने रोक लगाई हुई है। कानूनी अड़चनों के चलते विभिन्न सरकारी विभागों, बोर्ड-निगमों व सरकारी कंपनियों, विश्वविद्यालयों और हाई कोर्ट में आरक्षित श्रेणी के हजारों पद खाली हैं जिन्हें अदालत के फैसले के इंतजार में भरा नहीं जा रहा था।

विभिन्न पॉलिसियों पर हाई कोर्ट के स्टे से हजारों पद वर्षों से खाली, चुनाव से पहले होंगी नियुक्तियां

सरकार के निर्देश पर अब मुख्य सचिव ने सभी प्रशासनिक सचिवों, विभागाध्यक्ष, हाई कोर्ट व यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार, उपायुक्त, एसडीएम, बोर्ड-निगमों व सरकारी कंपनियों के प्रबंध निदेशक और मुख्य प्रशासकों को कोटे के रिक्त पदों पर भर्ती के लिए मांगपत्र हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग (एचएसएससी) और हरियाणा लोक सेवा आयोग (एचपीएससी) को भेजने का लिखित आदेश जारी किया है। गौरतलब है कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा की सरकार ने जाट, जट सिख, रोड़, बिश्नोई, त्यागी और मुल्ला जाट-मुस्लिम जाटों के लिए ग्रुप ए और बी में छह फीसद और ग्रुप सी व डी की नौकरियों में 10 फीसद आरक्षण की व्यवस्था की थी। वर्ष 2016 में मुरारी लाल गुप्ता बनाम राज्य सरकार मामले में सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट ने इस पर रोक लगा दी। इसी दौरान विशेष पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षण पर भी हाई कोर्ट ने स्टे लगा दिया।

हुड्डा सरकार में ही वर्ष 2013 में ईबीपीजी कैटेगरी में ब्राह्मण, बनिया, राजपूत व पंजाबी बिरादरी के आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को ग्रुप ए व बी की नौकरियों में पांच फीसद और तृतीय व चतुर्थ श्रेणी में दस फीसद आरक्षण का नियम लागू कर दिया गया। अब चूंकि ईडब्ल्यूएस (आर्थिक पिछड़ा वर्ग) श्रेणी के लिए आरक्षण लागू किया जा चुका, इसके चलते ईबीपीजी आरक्षण नियम प्रासंगिक नहीं रहा। हाई कोर्ट में याचिकाओं के चलते आरक्षित पदों पर भर्तियां रुकी हुई थी। इससे सरकारी विभागों में स्टाफ की कमी से कामकाज प्रभावित हुआ।

अमीन रोड पर आधा अधूरा नाला लोगों के सामने संकट बनकर खड़ा

कुरुक्षेत्र। मानसून की दस्तक कभी भी हो सकती है मगर अमीन रोड पर आधा अधूरा नाला लोगों के सामने संकट बनकर खड़ा हो गया है। अमीन रोड पर बसी कॉलोनियों के निवासियों व दुकानदारों को चिता सताने लगी है कि अगर नाला मानसून की दस्तक से पहले पूरा नहीं हुआ तो उनका क्या हाल होगा। ऐसे में लोगों ने प्रशासन से जल्द से जल्द नाले का निर्माण कार्य पूरा करने की मांग की है। दुकानदारों का कहना है कि नाले के आधे अधूरे निर्माण की वजह से यहां से गुजरने वाले वाहन चालक तो परेशान हो ही रहे हैं साथ में उनका कामकाज भी ठप हो गया है। वाहनों के आने-जाने से दिन भर धूल मिट्टी उड़ती रहती है। दुकानदारों ने प्रशासन से जल्द से जल्द इस नाले का निर्माण पूरा करने की मांग के साथ-साथ सड़क किनारे छोड़े गए पाइप, बड़े-बड़े पत्थर हटाने की भी मांग की है।

आवाजाही के कारण मिट्टी उड़ रही

दुकानदार विजय अग्रवाल ने कहा कि वाहनों की आवाजाही से दिन भर मिट्टी उड़ती रहती है, जिससे दुकानों में बैठना भी मुश्किल हो गया है। इसके अलावा सड़क किनारे निर्माण सामग्री की वजह से हादसे होने की संभावना बनी रहती है। पिछले ही दिनों एक स्कूटी सवार महिला निर्माण सामग्री पर स्लिप हो गई। इस तरह की दुर्घटना आए दिन होती रहती है।

नाले की कई जगह नहीं बनी

अब तक दीवार | शीशे की दुकान अंग्रेज सिंह

चीमा ने कहा कि कई जगह से नाले की दीवारों नहीं बनी है। ऐसे में अगर बारिश आई तो सारा पानी या तो लोगों की दुकानों की नींवों में जाएगा या फिर सड़क पर आएगा। काम पिछले काफी समय से कछुआ चाल से चल रहा है। नाले को कई जगह से ऊपर से ढका ही नहीं जा रहा है, जिसकी वजह से रात के अंधेरे में इसमें गिरने का डर बना रहता है।

15 दिन से बिल्कुल बंद है काम

हलुवाई मामचंद ने कहा कि निर्माण कार्य पिछले 15 दिन से बिल्कुल बंद पड़ा है। पिछले काफी समय से धीमी गति से चल रहे निर्माण कार्य की वजह से लोगों को परेशानी झेलनी पड़ रही है। उनकी दुकान हलुवाई की है। दिन भर बनाई हुई सामग्री को धूल-मिट्टी से बचाकर रखना पड़ता है। दिन भर धूल मिट्टी की वजह से कई बार सामान खराब हो जाता है। इस समस्या को पिछले कई महीनों से झेल रहे हैं। मानसून से पहले पूरा कर दिया जाएगा निर्माण कार्य = एमई नगर परिषद के म्यूनिसिपल इंजीनियर मंगूराम ने बताया कि पिछले दिनों ही बैठक में ठेकेदार को तेजी से काम करने के निर्देश दिए गए हैं।

जल्द ही ठेकेदार काम तेज कर देगा। मानसून से पहले नाले का निर्माण कार्य पूरा कर दिया जाएगा। अभी इस कार्य को करने का समय भी पूरा नहीं हुआ है। फिर भी मानसून को देखते हुए इसे जल्द पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं।

विश्व पर्यावरण दिवस पर पर्यावरण संरक्षण के लिए जगह-जगह लगाए गए पौधे

कुरुक्षेत्र। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बुधवार को जिले भर में कई जगह कार्यक्रमों का आयोजन कर पौधरोपण किया गया। इस मौके पर लोगों को पर्यावरण के संरक्षण का संकल्प लिया। श्री कृष्ण संग्रहालय में रंग कर्मी सुमेर चंद शर्मा और करनाल के मनोकामना तीर्थ ब्रास के महंत बलराम गिरी की ओर से पौधरोपण किया गया। इस मौके पर पौधरोपण में राजस्थान से आये हुए पर्यटकों ने भी भाग लिया। कार्यक्रम में केडीबी के कर्मचारी अमर सिंह, विवेक अरोरा, सारांश बंसल, संग्रहालय के आर्टिस्ट बलवान सिंह, सुपरवाइजर पंकज कश्यप, अर्चना देवी मौजूद

रही। क्षत्रिय खुखरायण सभा कुरुक्षेत्र की ओर से सर छोटूराम पार्क में पौधा लगाकर उसका पोषण करने का संकल्प लिया गया। इस मौके पर सभा के अध्यक्ष आशीष सभरवाल, कोषाध्यक्ष अनूप सूरी, सचिन आनंद, चरणजीत आनंद, गुरदेव सिंह, स्वदेश सभरवाल, हर्ष कोहली मौजूद रहे। रोटी बैंक शाखा की ओर से गांव मथाना में जरुरतमंद बच्चों को भोजन खिलाया गया और विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पौधरोपण भी किया गया।

इस मौके पर रोटी बैंक शाखा कुरुक्षेत्र के प्रधान सेवक डॉ. अशोक कुमार वर्मा और कोषाध्यक्ष पंकज ठकराल ने बच्चों एवं अन्य लोगों को भोजन करवाने बाद में बच्चों को पौधरोपण के लिए जागरूक किया गया। इस अवसर पर बच्चों के हाथों से पौधे रोपित करवा कर अन्य लोगों ने पौधरोपण के प्रेरित किया गया। उन्होंने कहा कि आज विश्व पर्यावरण दिवस पर अधिक से अधिक पौधे रोपित करने का संकल्प लेकर पौधे रोपित करने चाहिएं। इस अवसर पर नरेंद्र भी मौजूद रहे।

लगातार चल रहे ये एयरकंडीशनर बढ़ा रहे तापमान

कुरुक्षेत्र। हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण का सेक्टर 17 एक कमर्शियल सेक्टर है। इस सेक्टर में चारों ओर बनी ऊंची-ऊंची बिल्डिंगों में बड़े-बड़े एयर कंडीशनर लगे हैं। सुबह से शाम तक चलने वाले यही एयर कंडीशनर पर्यावरण में लगातार गर्म हवा फेंक रहे हैं। केवल यही नहीं बिजली गुल होने पर चलने वाले जनरेटर भी अपने साइलेंसर से आग निकालते हैं। इनका धुंआ पर्यावरण को जहरीला बना रहा है और तापमान में भी बढ़ोतरी कर रहा है। आम आबादी क्षेत्र से इस जगह का तापमान अक्सर एक डिग्री सेल्सियस ज्यादा रहता है। इस कमर्शियल सेक्टर में अपनी-अपनी दुकानों को दिखाने के चक्कर में दुकानदारों ने सभी पेड़ ही खत्म कर दिए हैं। दुकानों के आगे की तो छोड़िए अब पार्किंग तक में कोई पेड़ नहीं बचा है। अब बढ़ती गर्मी में तेज धूप से बचने के लिए दिन भर लोग छांव ढूंढ़ते फिरते हैं। पार्किंग में भी अपने वाहनों को धूप से बचाने के लिए ऊंचे भवनों की परछाई तलाशते रहते हैं। अन्य शहरी क्षेत्र की मुकाबले यहां अक्सर तापमान ज्यादा रहता है। मंगलवार को जहां शहर का तापमान 38 डिग्री सेल्सियस रहा, वहीं यहां का तापमान 39.5 डिग्री सेल्सियस रहा।

भाजपा के राज में नहीं हुआ कोई घोटाला : सांसद नायब सिंह सैनी

बाबैन। सांसद नायब सैनी ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने देश व प्रदेश के लिए पूरी ईमानदारी और पारदर्शिता से काम कर देश का नाम विदेशों में भी रोशन किया है। भाजपा के पिछले पांच साल में देश में कोई घोटाला नहीं हुआ है। देश व प्रदेश ने विकास, रोजगार, सुरक्षा व जनकल्याण कार्यों के मामले में नए पथ पर अग्रसर हुआ है। वे बराडा रोड़ पर स्थित लाइफ केयर अस्पताल में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि देश व प्रदेश में जो भी बड़े विकास कार्य शुरु हुए

हैं, उनको जल्दी पूरा करने के अलावा अनेक नए प्रोजेक्ट शुरु किए जाएंगे ताकि भारत विकास के मामले में विकसित देशों की बराबरी कर सके। आज देश और प्रदेश के लोगों ने लोकसभा चुनावों में नरेंद्र मोदी में अपनी आस्था व्यक्त कर विपक्ष का सफाया कर दिया है और देश जल्द ही कांग्रेस मुक्त होने की दिशा में तेजी से अग्रसर है। नायब सैनी ने कहा कि आज देश सुरक्षित हाथों में है और प्रत्येक क्षेत्र में विकास के पथ पर तेजी से अग्रसर हो रहा है। नरेंद्र मोदी द्वारा किए गए कार्यों के कारण आज भारत की ताकत का दुनिया भी लोहा मानने लगी है जिसका परिणाम है मसूद अजहर वैश्विक आतंकवादी घोषित करने के लिए चीन जैसे देश को भी झुकना पड़ा है। उन्होंने लोगों को आह्वान किया कि वे लोकसभा की तर्ज पर विधानसभा चुनावों में भी भाजपा को 70 सीटों के पार पहुंचाकर भाजपा को और मजबूत करेंगे क्योंकि देश व प्रदेश भाजपा सरकार में ही सुरक्षित और मजबूत रहेगा।

इस अवसर पर लाडवा के विधायक डॉ.पवन सैनी, भाजपा के जिलाध्यक्ष धर्मवीर मिर्जापुर, सैनी समाज सभा के प्रधान गुरनाम सिंह उदारसी, सचिव कुशल पाल, गुरनाम कलाल माजरा, आश कुमार सैनी, रामसरुप रतगल, वेदप्रकाश सैनी बीड़ पिपली, रणबीर सिंह, डिपल सैनी, कैलाश सैनी, डॉ.अजय सैनी, डॉ.सपना सैनी उपस्थित थे।

पचगांवों में माइनिंग व पुलिस टीम पर पथराव

तावडू (नूंह)। उपमंडल के पचगांवा गांव में माइनिग स्टाफ और पुलिस टीम ने संयुक्त रूप से निरीक्षण किया। जहां एक डंपर चालक ने संयुक्त टीम पर जान से मारने की नीयत से हमला किया। इसके बाद ग्रामीणों ने भी पुलिस का रास्ता रोककर पथराव किया। इस हमले में दो होमगार्ड घायल हो गए। टीम ने दो युवकों को मौके से गिरफ्तार किया। खान एवं भूगर्भ विभाग नूंह के अधिकारी बीडी यादव ने पुलिस को दी गई शिकायत में बताया कि मंगलवार को वह पुलिस टीम के साथ संयुक्त रूप से पचगांवा पहाड़ का निरीक्षण करने पहुंचे तो एक डंपर चालक ने सरकारी गाड़ियों को देखते ही डंपर को मौके से भगा लिया। जब टीम ने रोकने की कोशिश की तो पुलिस और माइनिग टीम को धमकी दी।

एसआईटी के रडार पर शिक्षा विभाग का अधिकारी

रेवाड़ी। नायब तहसीलदार पेपर लीक मामले में जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ रही है, वैसे-वैसे पूरी साजिश की परतें खुलती जा रही है।

रेवाड़ी पुलिस द्वारा परीक्षा केंद्र से प्रश्न पत्र बाहर पहुंचने वाले अधीक्षक को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपित शिक्षा विभाग का अधिकारी बताया जा रहा है। हालांकि पुलिस द्वारा अभी इस सूत्रधार के बारे में अधिक जानकारी नहीं दी जा रही है, लेकिन यह तय है कि शिक्षा विभाग के इस अधिकारी की गिरफ्तारी भी शीघ्र होगी। पेपर लीक मामले में आरोपित हिसार के गांव बास खुर्द निवासी दिनेश द्वारा शिक्षा विभाग के एक अधिकारी से पेपर आउट कराने की डील की गई थी।

कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के स्वर्ण जयंती वर्ष के खाते में जुड़ी कई उपलब्धियां

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के एक अगस्त 2018 से शुरू हुए स्वर्ण जयंती वर्ष के खाते में कई बड़ी उपलब्धियां जुड़ गई हैं। केडीबी के अब तक के इतिहास में यही वह साल है जिसमें गीता जयंती महोत्सव ने महाभारत की धरा से चलकर मॉरीशस की धरती पर अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव मनाकर विदेशों तक में छाप छोड़ी है। इसी सफल आयोजन से गदगद हुई सरकार अब जल्द ही अगस्त माह में दूसरा अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव लंदन में मनाने की योजना बना रही है। इतना ही नहीं स्वर्ण जयंती वर्ष के शुभारंभ को यादगार बनाने वाले केडीबी प्रशासन ने अब इसके

समापन को भी भव्य रूप से मनाने की तैयारी कर ली है।

स्वर्ण जयंती वर्ष के शुभारंभ पर आयोजित हुए थे चार दिवसीय कार्यक्रम स्वर्ण जयंती वर्ष के शुभारंभ अवसर पर चार दिवसीय कार्यक्रमों का आयोजन किया गया था। इन आयोजनों में पिछले 50 सालों से केडीबी से जुड़े अधिकारियों को सम्मानित किया गया था। इसके अलावा केडीबी सदस्यों और अधिकारियों की उपस्थिति में ज्योतिसर तीर्थ पर हवन यज्ञ का आयोजन किया गया था।

इसके अलावा जिला प्रशासन और केडीबी कर्मचारियों का एक क्रिकेट मैच भी रखा गया था। इसके बाद एक अगस्त को एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया था, जिसमें पहुंचे तत्कालीन राज्यपाल प्रो. कप्तान सिंह सोलंकी ने कई अतिथियों को भी सम्मानित किया था। इसके अलावा साल भर आयोजित होने वाली सभी कार्यक्रमों को स्वर्ण जयंती वर्ष से जोड़ा गया था। इतना ही नहीं इसी अवसर पर केडीबी की ओर से अतिथियों को दिए जाने वाले स्मृति चिह्न के लिए श्रीकृष्ण के विराट रूप की मूर्ति का भी चयन किया गया था, ताकि यह केडीबी की एक पहचान बन सके। यादगार रहे हैं स्वर्ण जयंती वर्ष के का?र्यक्रम केडीबी के मानद सचिव मदन मोहन छाबड़ा ने कहा कि स्वर्ण जयंती वर्ष के अंतर्गत आयोजित हुए सभी कार्यक्रम यादगार रहे हैं। इस वर्ष की शुरुआत की तरह ही अब इसके समापन को भी भव्य बनाने की तैयारी है। इसके लिए केडीबी की ओर से राज्यपाल को लिखा गया है। अभी केडीबी सदस्य सचिव और राज्यपाल के सचिव के साथ बैठक होने के बाद ही इसके बारे में कुछ कहा जा सकता है।

बिजली कटों से उबाल, लोगों ने किया यमुनानगर-कैथल रोड जाम, लोग हुए काफी परेशान

कुरुक्षेत्र। बिजली किल्लत से गुस्साए लोगों ने मंगलवार देर रात को यमुनानगर-कैथल रोड पर जाम लगा दिया। दो घंटे तक रोड बाधित रहा, जिसकी वजह से लंबा जाम लग गया और व्यवस्था बुरी तरह से बिगड़ गई। मोहन नगर के लोग इस मांग पर अड़कर सड़क के बीच बैठ गए कि जब तक बिजली सप्लाई की दिक्कत ठीक नहीं हो जाती तब तक वे सड़क से नहीं उठने वाले। पुलिस अधिकारियों ने समझा-बुझाकर गुस्साए लोगों को शांत किया और उनकी बात प्रशासन के अधिकारियों के साथ कराई। जाम खुलने के एक घंटा बाद बिजली सुचारू हो गई। इसके बाद लोग अपने-अपने घरों में चले गए। मगर सुबह होते ही बिजली फिर से गुल

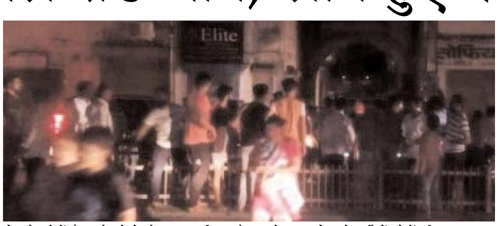

हो गई। लोगों के गुस्से को देखते हुए सुबह ही बिजली निगम की तीन टीमें मोहन नगर पहुंच गई और काम शुरू कर दिया। मौके पर एसडीओ से लेकर कार्यकारी अभियंता तक तैनात रहे।

सुनील, मुकेश, राजेश राणा ने बताया कि चार दिनों से मोहन नगर में बिजली के लंबे-लंबे कट लग रहे थे। इन्होंने कहा कि बिजली दिन के समय तो गुल रहती ही थी रात को भी बिजली सप्लाई बाधित होने से गर्मी में लोगों की हालत खराब कर दी थी। राणा ने कहा कि चौथे दिन भी जब बिजली सप्लाई बाधित हुई तो लोगों का गुस्सा फूट गया और सब ने मिलकर जाम लगा दिया। यमुनानगर-कैथल मार्ग दो घंटे रहा बाधित रात करीब 10 बजे मोहन नगर वासी माता के मंदिर के सामने ओवर ब्रिज पर पहुंच गए और उन्होंने यमुनानगर से कैथल की ओर जाने वाले मार्ग पर बैठ गए। इसकी वजह से कई किलोमीटर लंबा जाम लग गया। पुलिस को जैसे ही सूचना मिली पुलिस ने दूसरे ओवरब्रिज से ट्रैफिक को डायवर्ट करना शुरू कर दिया।

मगर यातायात व्यवस्था तब तक सामान्य नहीं हुई जब तक लोग सड़क से नहीं उठे। निगम का तर्क मोहन नगर में बार-बार ब्रेक आउट होने के बारे में बिजली निगम के अधिकारियों का तर्क है कि ओवर लोढ ज्यादा होने की वजह से ऐसा हुआ है। उपभोक्ताओं ने निगम के पास अपना लोढ नहीं बढ़वाया। एक एरिया के लोढ के हिसाब से ही वहां पर ट्रांसफार्मर रखा जाता है। ओवर लोढ होने की वजह से ट्रांसफार्मर कट मार जाता है। तीन नए ट्रांसफार्मर लगाए = एसडीओ बिजली निगम के एसडीओ विकासदीप शर्मा ने कहा कि मोहन नगर में समस्या संज्ञान में आते ही बिजली निगम की तीन टीमें गठित की गई। मोहन नगर में अलग-अलग तीन जगहों पर नए ट्रांसफार्मर लगाए जा रहे हैं। जबकि जिन ट्रांसफार्मर में कुछ कमियां हैं। उन्हें ठीक करने का काम किया जा रहा है। 20 से 25 कर्मचारियों की टीम यहां पर काम कर रही है। अब इसके बाद मोहन नगर वासियों की यह समस्या सामने नहीं आएगी।

अदाणी हजीरा पोर्ट प्रा.लि. द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस 2019 का भव्य उत्सव मनाया गया

सूरत। शुक्रवार विश्व भर में 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस तरीके विभिन्न थीम के साथ मनाया जाता है। इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस का थीम बीट द एयर पोल्युशन यानि कि वायु प्रदुषण को हराना है। अदाणी हजीरा पोर्ट प्रा.लिं. जो हजीरा स्थित दक्षिण गुजरात का एक मात्र कामर्शियल बन्दर है। उसके द्वारा भी विश्व पर्यावरण दिवस 2019 को मनाने हेतु बन्दर के अन्दर तथा आस पास के ग्राम्य विस्तारों में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर कर्मचारियों ने वृक्षों का वितरण कम्पनी के अन्दर के विस्तारों में वृक्षारोपण, वायु प्रदूषण के विषय जागृति के विषय में परिसंवाद कार्यक्रम तथा पर्यावरण सम्बन्धित प्रश्नोत्तरी स्पर्धा हिन्दी तथा अंग्रेजी भाषा में आयोजित की गयी थी। विविध स्पर्धाओं में विजेताओं को पारितोषिक देकर प्रोत्साहित किया गया था।

इस समस्त कार्यक्रमों कम्पनी के ई.एच.एस. विभाग के बड़े श्री रूपेश जाबुड़ी के मार्गदर्शन के तहत आयोजन किया गया था। कंपनी के कर्मचारियों ने विश्व पर्यावरण दिवस के उत्सव में बहुत ही उत्साहपूर्वक भाग लिया था।

सूरत महानगर पालिका के सेन्ट्रल जोन द्वारा अवैध बांधकाम के डेमोलेशन

सूरत। शुक्रवार सूरत सेन्ट्रलजोन के डेप्युटी कमिश्नर एवं कार्यपालक इंजीनियर की सूचना एवं मार्ग दर्शन के तहत नीचे दिये गये गैरकायदेसर बांधकाम दूर करने की कार्यवाही सम्पन्न की गयी है।

1. सेन्ट्रल जोन विस्तार में स्थित वोर्ड नं. 12 नोथ नं. 2014/बी/1, 2014/बी/2, सैयद वाड़ा वाली मिल्कत में मंजूर प्लान विरुद्ध पांचवी मंजिल में किये गये अवैध बांधकाम यहां से ता. 7/6/2019 के दिन सेन्ट्रल जोन सहर विकास विभाग, दबाण खाते के स्टाफ तथा सूरत महानगर पालिका के सिक्योरिटी स्टाफ की मदद से डिमोलेशन किया गया। जिसके अंतर्गत पांचवी मंजिल लगभग 1900 चौरस फुट आर.सी.सी स्लेब दूर किया गया है। इतना ही नहीं मिडोलेशन हेतु 75000 प्रशासनिक खर्च वसूल किया गया।

2. सेन्ट्रल जोन विस्तार में स्थित वोर्ड नं. 4, नोध नं. 1721-22 बेगमपुरा वाली मिलकत में सूरत महानगर पालिका की मंजूरी लिये बिना अवैध बांधकाम करने से यहां की कचहरी से ता. 7/6/2019 के दिन सेन्ट्रल जोन के शहर विकास विभाग, दबाण खाता के स्टाफ तथा सूरत महानगर पालिका के सिक्योरिटी स्टाफ की मदद से डिमोलेशन किया गया है जिसके अंतर्गत चौथा मंजिल लगभग 200 चौरस फुट आर.सी.सी. स्लेब तथा पांचवे मंजिल के 09 कोलम दूर किये गये है तथा डिमोलेशन की कार्यवाही अभी प्रगति पर है।

पति के मित्र ने रात्रि में परिणीता की छेड़छाड़ किया

सूरत। शुक्रवार को कापोद्रा में पति के मित्र द्वारा छेड़ छाड़ की होने की फरियाद कापोद्रा पुलिस स्टेशन में दर्ज हुई है। कापोद्रा पुलिस सूत्रों के अनुसार फरियादी एवं उसके पति अपने घर में सोये हुए थे तभी आरोपी रसिक अशोक डाभी निवासी विशाल नगर हीरा बाग कापोद्रा ने फरियादी के शरीर के उपर हाथ फेर कर छेड़ छाड़ किया था। यह घटना ता. 31/5/2019 के दिन रात्रि लगभग 2.30 बजे बनी थी। कापोद्रा पुलिस ने फरियाद के आधार पर ई.पी.कोड़ कलम 354(ए) के तहत अपराध दर्ज कर लिया है। पी.एस.आई. भावना बेन देवायती भाई ने मामले की जांच का कार्य शुरु कर दिया है।

ओलपाड़ में दारू के साथ महिला बूटलेगर पुलिस गिरफ्त में

सूरत। शुक्रवार ओलपाड़ की मोटी हलपति वास में एक बूटलेगर के मकान में ओलपाड़ पुलिस द्वारा छापा मार कर 233 नंग विदेशी दारू की बोटलों को कब्जे में लेकर एक महिला बूटलेगर की भी गिरफ्तारी की है। जबकि अन्य दो व्यक्तियों को पुलिस ने वान्टेड जाहेर किया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार ओलपाड़ तालुका के मोटा हलपति वास में निकू अतुल भाई राठोड़, वासन्तीबेन उका भाई राठोड़, अश्विन भाई पटेल रहते है। वे देशी एवं विदेशी दारू का जत्था में बिक्री करके अपने परिवार का जीवन निर्वाह करते है। ओलपाड़ पुलिस को मिली सूचना के आधार पर उन्होंने मकान में छापा मारकर बिना पास परमिट की भारतीय बनावट की वियर तथा ब्राण्डी की 233 नग बाटलियों मूल्य रु. 60 हजार रुपये का मुद्दा माल कब्जे कर निरिक्षाबेन उर्फ निकू राठोड़ की गिरफ्तारी की है। जबकि वासन्तीबेन राठोड़ तथा ओलपाड़ कामरोली गाम में आश्विन पटेल को पुलिस ने उन्हें वाण्टेड बताया है ऐसी सूचना प्राप्त है। तमाम पुलिस प्रोहिविशन एक्ट का अपराध दर्ज किया है।

बैंक आफ बरोड़ा का ए.टी.एम. कार्ड बदलकर 42 हजार निकाले

पुन: एक ए.टी.एम कार्ड धारक के साथ धोखाधड़ी

सूरत। शुक्रवार को लिम्बायत बी.ओ.बी. के ए.टी.एम. में कार्ड बदल कर दूसरा कार्ड देकर खाते में से 42 हजार रुपये निकाल कर व्यापारी के साथ विश्वासघात कर अज्ञात व्यक्ति फरार हो गया। ऐसी घटना पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई गई है।

पुलिस सूत्रों की सूचनानुसार मूल यु.पी. के फतेहापुर जिला निवासी एवं हाल में लिम्बायत पद्मावती की गली में रहने वाले यार मोहम्मद अजीजी मंसूरी छुटक व्यापार करते है। गत 19वीं अप्रिल 2019 के दिन से आज दिन तक यार मोहम्मद मंसूरी लिम्बायत बैंक आफ बरोड़ा के ए.टी.एम. में अपना ए.टी.एम कार्ड लेकर गया था तभी अज्ञात व्यक्ति ने अपना कार्ड बदल कर खाते में से 42 हजार रुपये नकद निकाल लिये। व्यापारी के साथ विश्वासघात कर फरार हो गया। ए.टी.एम कार्ड धारक ने लिम्बायत पुलिस स्टेशन में फरियाद दर्ज करा कर आई.पी.सी. 406,420, के तहत अपराध दर्ज कर जांच कार्यवाही शुरु कर दी है। सूरत शहर में ए.टी.एम कार्ड बदल कर धोखाधड़ी की ऐसी घटनाये तो प्राय: बनती ही रहती है पहले तो पुलिस अधिकारी अपराध भी दर्ज करने से मना कर देते थे। अभी स्थिति यह है कि अपराध तो दर्ज हो जाता है लेकिन अपराधी को पकड़ना पुलिस के लिए टेढी खीर बन जाती है। अभी पुलिस अपरा तो दर्ज करती है लेकिन कार्यवाी कुछ भी नहीं करती है। इसी लिए ऐसे अपराध करने वाले अपराधियों का मनो बल बढा हुआ है।

ज्वैलर्स के साथ धोखाधड़ी करने वाली तीन महिला सहित चार गिरफ्तार

असली आभूषणों के बदले नकली आभूषण वापस करना ठगों की योजना थी

सूरत। शुक्रवार कोसम्बा तरसाड़ी गाम में स्थित ज्वैलर्स की दूकान में नकली दागीने देकर उनके बदले में उसली सोने के दागीने की खरीदी करने की बात कह दागीने की खरीदी करती तीन महिलाये एवं एक पुरुष मिलाकर कुल चार ठगों की पुलिस ने गिरफ्तारी की है। घटना की फरियाद पुलिस स्टेशन में दर्ज हो गयी है।

पुलिस सूत्रों के अनसुार मूल उत्तर प्रदेश के निवासी निर्मल कुमार चौहाण, सोनी बेन गुप्ता, ज्योतिबेन यादव, पार्वतीबेन वर्मा, इत्यादि ने कोसम्बा तरसाड़ी स्थित अनिल प्रजापति की ज्वैलर्सों की दुकान में जाकर नकली एवं धातु जैसी लगती पीले कलर का पुराना दाकीना रु. एक लाख के देकर उसके बदले में ज्वैलर्स की दूकान में से असली आभूषणों की खरीद कर धोखाधड़ी एवं विश्वासघात करते रंगे हाथ पकड़े गये पुलिस ने आई.पी.सी. 406, 420 तथा 114 के तहत अपराध दर्ज कर जांच की कार्यवाही शुरु कर दी है। पुलिस द्वारा सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर कायदेसर की कार्यवाही शुरु कर दी है।

गुजरात सरकार द्वारा स्वच्छता कार्यक्रम चलाया जा रहा है तब कई क्षेत्रों में गंदगी देखने को मिलती है। निर्णयनगर माधवबाग रोड पर गंदगी स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है।

सूरत अग्निकांड के आरोपियों के केस नहीं लड़ने का अनुरोध

हाथ में बैनर लेकर कोर्ट के बाहर वकीलों से अनुरोध किया गया कि, मारे गये बेटा-बेटियों को न्याय दिलाओ

सूरत , ७ जून ।

गुजरात सहित देशभर में खलबली मचाने वाले सूरत अग्निकांड में मर गये २३ विद्यार्थियों के परिजनों और स्थानीय सूरतवासियों ने शुक्रवार को सूरत कोर्ट के बाहर हाथ में बैनर-प्लेकार्ड लेकर सूरतवासियों ने अनुरोध किया है कि, सूरत अग्निकांड के आरोपियों की तरफ से आप कोई भी केस नहीं लड़ेंगे और यह आरोपियों को कड़ी से कड़ी सजा मिले इसके लिए अग्निकांड में मारे गये बेटा-बेटियों को न्याय दिलाओ । सूरत के सरथाणा जकातनाका में स्थित तक्षशिला आर्केड में लगी आग की वजह से २३ विद्यार्थियों की मौत हो गई थी । यह दुर्घटना को मानवसर्जित बताकर पीड़ित परिजनों और सूरतवासियों ने शुक्रवार को सूरत जिला और सत्र न्यायाधीश तथा सूरत शहर के तहत की कोर्ट के परिसरों के बाहर आज हाथ में बैनर-प्लेकार्ड लेकर लाइन लगाई और सूरत के वकीलों से संवेदना के साथ अनुरोध किया गया कि, सूरत अग्निकांड में मारे गये यह बेटा-बेटी आपके भी थे और इसी वजह से उनको आप वकील न्याय दिलाओ ।

यह मानवसर्जित दुर्घटना में शामिल आरोपियों की तरफ से कोई भी वकील केस नहीं लड़े या आरोपियों की तरफ से कोई वकील पेश नहीं हो । इतना ही नहीं यह केस के सभी आरोपियों को कड़ी से कड़ी सजा और समाज में एक सबक समान सजा हो ऐसी मांग भी पीड़ित परिजनों ने की थी । सूरत के सरथाणा जकातनाका में स्थित तक्षशिला आर्केड में लगी आग की वजह से २३ विद्यार्थियों की मौत हो गई थी ।पीड़ितों की तरफ से यह संवेदनशील मुद्दे को लेकर सूरत के विभिन्न बार एसोसिएशन और गुजरात बार काउन्सील समक्ष भी पेशकश की गई है ।

ब्रेक अचानक फेल होने से गाड़ी पलटी : १० की मौत

अहमदाबाद, ७ जून ।

बनासकांठा के मार्ग में एक भीषण दुर्घटना में १० लोगों की मौत हुई है । अंबाजी के पास त्रिशुलीया घाट निकट यात्रियों से भरा जीप पलटने की वजह से यह दुर्घटना हुई है । जीप की ब्रेक अचानक फेल होने से गाड़ी पलट गई थी । जिसमें १० श्रद्धालुओं की मौत हुई है । रिपोर्ट के अनुसार खुली जीप में २५ से ज्यादा यात्री सवार थे । जो वडगाम के भलगाम से अंबाजी दर्शन करके वापस आ रहे थे तब मार्ग पर खुली जीप अचानक पलट जाने से दुर्घटना हुई है । इस दुर्घटना में १० श्रद्धालुओं की मौत हुई है और अन्य कई यात्री घायल हुए है । घायल यात्रियों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है । यह दुर्घटना की जानकारी मिलने पर १०८ और स्वास्थ्य विभाग की टीमें घटनास्थल पर पहुंच गई । रिपोर्ट के अनुसार दुर्घटना में घायल हुए श्रद्धालुओं को पालनपुर और दांता की अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया है ।

साणंद के विरोचनगर की घटना से सनसनी

दलित युवती ने मुस्लिम युवक से परेशान होकर दवाई पी ली

युवती की मौत को लेकर परिजनों में नाराजगी : आरोपी को कड़ी सजा देने की मांग, पुलिस ने जांच शुरू की

अहमदाबाद, ७ जून ।

अहमदाबाद जिले के साणंद के निकट स्थित विरोचनगर में रहती एक दलित युवती ने मुस्लिम युवक के शादी के दबाव और भयंकर आतंक से परेशान होकर ज हरीली दवाई पीकर आत्महत्या कर लेने से पूरे क्षेत्र में सनसनी मच गई । युवक की मौत को लेकर गरीब परिजनों में नाराजगी फैल गई और उन्होंने आरोपी युवक को कड़ी सजा देने की मांग की है । आश्चर्य की बात तो यह है कि, युवती की आत्महत्या के बाद भी यह मुस्लिम युवक ने इसके पिता को फोन करके धमकी दी कि, आप कुछ भी करेंगे तो पैसे के बल पर मैं छूट जाऊंगा । साणंद जीआईडीसी पुलिस ने अपराध दर्ज करके जांच शुरू कर दी है लेकिन मुस्लिम युवक की धमकी देखते हुए अब पुलिस को इसे सबक सिखाने की जरूरत है ऐसी स्थानीय निवासियों द्वारा मांग की गई है । साणंद के विरोचनगर के दलितवास में रहती जबूबहन चावडा की १९ वर्ष की पुत्री रंजन साणंद जीआईडीसी में मजदूरी काम करती थी । ५ जून को शाम को नौकरी से छूटकर और रंजन मां के साथ घर वापस आ रही थी तब टीबा वास में रहता निजामखान पठान नाम का शख्स गाडी लेकर आया था । वह तालाब के पास पहुंचा तब वहां खड़ा हो गया । घर आकर रंजन सो गई थी । इसकी बड़ी बहन ने पूछने पर बताया कि, मैं परेशान हो गई हूं । कंपनी में भी मेरी इज्जत नहीं रही है । निजामखान पठान पिछले दो वर्ष से मानसिक और शारीरिक यातना देकर धमकी देता है । इस दौरान शुक्रवार को सुबह में रंजन ने शोर मचाया जिसकी वजह लोग जग गये । रंजन ने जहरीली दवाई पी लेने से परिजनों ने इसके उपचार के लिए रिक्शा में अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही इसकी मौत हो गई थी । मुस्लिम युवक के आतंक से परेशान होकर यह दलित युवती ने जहरीली दवाई पी ली इस वजह से पूरे क्षेत्र में सनसनी मच गई । दूसरी तरफ युवती ने आत्महत्या की फिर भी आरोजी निजामखान पठान ने रंजन के पिता को फोन करके धमकी दी कि, आप कुछ भी करेंगे तो पैसे के बल पर मैं छूट जाऊंगा । फिलहाल साणंद ज ीआईडीसी पुलिस ने अपराध दर्ज करके जांच शुरू कर दी है ।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)**